भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण
Insurance Regulatory and Development Authority of India

26.04.2024

प्रेस विज्ञप्ति
Press Release

बीमा मंथन
Bima Manthan

-भारतीय बीमा उद्योग के साथ विचार-विमर्श
-Interaction with the Indian Insurance Industry

बीमा मंथन, उद्योग और आईआरडीएआई की एक आवधिक बैठक का छठवाँ संस्करण आईआरडीएआई प्रधान कार्यालय, हैदराबाद में 25 और 26 अप्रैल 2024 को दो दिन के लिए आयोजित किया गया।

यह बैठक वित्तीय वर्ष 2023-24 के समापन के बाद हुई तथा इस प्रकार वर्ष के दौरान उद्योग के कार्यनिष्पादन पर चर्चा की गई। उक्त कार्यनिष्पादन के विश्लेषण से प्राप्त अंतर्दृष्टियों को साझा किया गया जहाँ बीमा समावेशन और आघात-सहनीयता को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रव्यापी तौर पर बीमा व्यापन में वृद्धि करने पर सुदृढ़तापूर्वक बल दिया गया।

चर्चाओं के केन्द्र में पालिसीधारकों के विश्वास और भरोसे को सहारा देने के उपाय रहे। जनसाधारण की विविध आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए *राज्य बीमा योजना* का उन्नयन करने से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं, उत्पाद की उपलब्धता और पहुँच को बढ़ाने पर दिये जा रहे बल, नवोन्मेष वितरण पद्धतियों एवं वैयक्तिक स्थितिगत आवश्यकताओं के आधार पर विशेष रूप से बनाये गये उत्पाद अभिकल्पों पर विचार-विमर्श किया गया। आगामी *बीमा त्रयी* (बीमा ट्रिनिटी) के संबंध में कार्यनीतियों और कार्य-योजना पर विचार किया गया।

जोखिम-आधारित पर्यवेक्षण की ओर संक्रमण के लिए उद्योग की तैयारी, जोखिम आधारित पूँजीगत ढाँचों एवं अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सूचना मानकों (इंड-एएस) की ओर अभिसरण को अहम स्थान मिला, जहाँ सहभागियों ने कार्यान्वयन के लक्ष्यों और समय-सीमाओं पर चर्चा की। इन चर्चाओं ने जोखिम प्रबंध प्रथाओं में वृद्धि करने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

भारतीय बीमा सूचना ब्यूरो (आईआईबीआई) के साथ एक संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया जहाँ उद्योग के हितधारकों के लिए उपलब्ध विश्लेषणात्मक उपकरणों को प्रदर्शित करते हुए जोखिम निर्धारण और प्रबंध में उनके उपयोग पर बल दिया गया। प्रामाणिक निर्णयन के लिए डेटा भंडार (रिपोजिटरी) के उपयोग को अधिकतम करने पर आम सहमति बनी।

बीमा और जोखिम प्रबंध संस्थान (आईआईआरएम), बीमा और जोखिम प्रबंध के लिए श्रेष्ठता के केन्द्र ने भी इस विषय पर एक प्रस्तुतीकरण किया कि शैक्षणिक समुदाय और उद्योग के बीच कैसे एक सहक्रिया

(सिनर्जी) का विकास किया जा सकता है। संस्थान ने बीमा में भली भांति प्रशिक्षित और विशेषज्ञता प्राप्त कुशल कार्यबल को उपलब्ध कराते हुए उद्योग के लिए मानव संसाधन क्षमता की वृद्धि करने में अपनी भूमिका को भी रेखांकित किया।

बीमा मंथन के इस संस्करण ने बीमा में सकारात्मक परिवर्तन और समावेशिता को प्रोत्साहित करने के लिए उद्योग के सामूहिक संकल्प को संपुटित (एन्कैप्सलेट) किया। सारी बैठक में फोकस पालिसीधारकों को सशक्त बनाने तथा बीमा संबंधी लेनदेनों में पर्याप्त विकल्प, लचीलेपन और पारदर्शिता उपलब्ध कराने पर रहा। सहयोग, नवोन्मेषण तथा `*सबके लिए बीमा* की सहभाजी परिदृष्टि के माध्यम से उद्योग प्रत्येक नागरिक के वित्तीय कल्याण को सुरक्षित करने में सार्थक प्रगति प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

The sixth edition of *Bima Manthan*, a periodic meeting of industry and IRDAI, unfolded over two days on April 25th and 26th, 2024, at IRDAI Headquarters, Hyderabad.

This meeting follows the closing of financial year 2023-24 and thus the performance of the industry during the year was discussed. Insights gleaned from the performance analysis were shared, with a strong emphasis on augmenting insurance penetration nationwide to foster insurance inclusion and resilience.

Measures to bolster policyholders' trust and confidence was the focus of discussions. Important aspects to leverage the *State Insurance Plan* to cater to the diverse needs of the populace, emphasis being laid on enhancing product availability and accessibility, innovative distribution methods and bespoke product designs tailored to individual state requirements were deliberated. Strategies and action plan as regards upcoming *Bima Trinity* were considered.

The industry's preparedness for transitioning towards Risk-Based Supervision, Risk Based Capital frameworks and convergence to International Financial Reporting Standards (Ind-AS) took center stage, with participants discussing implementation milestones and timelines. These deliberations underscored a collective commitment to enhancing risk management practices.

An interactive session with the Insurance Information Bureau of India (IIBI) was also held showcasing the analytical tools available to industry stakeholders, highlighting their utility in risk assessment and management. Consensus was reached on maximizing the utilization of the data repository for informed decision-making.

Institute of Insurance and Risk Management (IIRM), the centre of excellence for insurance and risk management, also made a presentation on how a synergy can be developed between academia and industry. Institute also underscored its role in enhancing the human resource capacity to the industry by providing well trained and skilled workforce specialising in insurance.

This edition of Bima Manthan encapsulated the industry's collective resolve to drive positive change and foster inclusivity in insurance. Across the meeting, the focus was on empowering the policyholders and providing ample choice, flexibility and transparency in insurance transactions. Through collaboration, innovation, and a shared vision of *'Insurance for All*', the industry committed to realize meaningful progress in safeguarding the financial well-being of every citizen.